केरल विधान सभा द्वारा 'सभा टीवी' चैनल को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से प्रारम्भ किए जाने का कार्यक्रम

- केरल विधान सभा द्वारा 'सभा टीवी' चैनल को प्रारम्भ किए जाने के कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सम्मिलित होकर मुझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है। कोविड-19 से जनित महामारी से आज पूरा विश्व आक्रांत है। इस महामारी ने हमारे लिए नयी चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। परन्तु हम भारतवासी चुनौतियों के बावजूद आगे बढ़ते रहे हैं और बढ़ते रहेंगे। आपदाओं से मुक़ाबला करने और उनसे उबरने के लिए आवश्यक साहस, सम्बल और संकल्प हमारे अंदर प्रचुर मात्रा में विद्यमान हैं। **मेरा विश्वास है कि कुशल नेतृत्व, जन जागरूकता, जन सहयोग एवं जन संकल्प के दम पर हम इस आपदा का सफलतापूर्वक सामना करेंगे तथा इससे और सशक्त होकर निकलेंगे।**

- कोरोना के इस दौर में आज समय की मांग के अनुसार हम लोग वर्चुअल तकनीक के माध्यम से जुड़ रहे हैं। आधुनिक युग में सूचना तकनीक की प्रगति ने हमारे लिए इसे और आसान बना दिया है। दरअसल संचार तकनीक के विकास की एक लंबी यात्रा रही है। पिछली सदी में टेलीविजन का माध्यम एक बड़ी क्रांति लेकर आया था। समय के साथ टेलीविजन की भूमिका और स्वरुप में बदलाव होते रहे हैं।

- आज टेलीविज़न के माध्यम से जागरूकता फैलाई जा रही है और जनमत के निर्माण के साथ-साथ सरकार की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जा रही है।

- संसद या विधानसभा जन प्रतिनिधियों की सभा है। यह जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य करते हैं। निर्वाचित सदन के माध्यम से जनता के प्रति सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित की जाती है और उनके कार्यों का मूल्यांकन किया जाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि विधायिका की कार्यवाही को सीधा जनता तक पहुंचाया जाए। इसके साथ-साथ उन्हें संसदीय प्रक्रियाओं, नियमों और पद्धतियों आदि से भी अवगत कराया जाए।

- **दरअसल एक जागरूक नागरिक ही सशक्त लोकतंत्र का आधार हो सकता है।** अतः, विधायिका के रूप में हमारा यह उत्तरदायित्व है कि हम संचार के आधुनिक साधनों का पूरा इस्तेमाल करते हुए जनता के साथ सीधा संवाद स्थापित करें।

- आज के समय में टेलीविजन और मास इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एक ऐसा सरल और सुगम साधन है, जिसके माध्यम से जनप्रतिनिधियों को जनता के प्रति अधिक जवाबदेह और अपने दायित्वों के प्रति अधिक सतर्क और संवेदनशील बनाया जा सकता है।

- लोक और तंत्र को टेलीविजन के माध्यम से जोड़ने की कवायद हमारी संसद में नब्बे के दशक में ही शुरू हो गई थी। यूं तो पहली बार लोकसभा के प्रश्नकाल का दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल पर सीधा प्रसारण दिनांक 7 दिसंबर 1994 को किया गया था, परंतु लोकसभा टीवी के नाम से एक डेडिकेटेड चैनल का आरम्भ 24 जुलाई 2006 को हुआ। यह देश का पहला संसदीय चैनल था। बाद में 8 सितंबर 2011 से राज्य सभा टीवी का प्रसारण भी शुरू किया गया। आज इन चैनलों पर मात्र संसद की

कार्यवाही का ही प्रसारण नहीं होता, बल्कि विभिन्न लोकतान्त्रिक, राजनैतिक, संवैधानिक, सामाजिक और आर्थिक विषयों पर कार्यक्रम भी प्रसारित किये जा रहे हैं। इसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं।

- बीते वर्षों में विधायी कार्यवाहियों के प्रसारण के प्रयासों को और व्यापक आयाम दिए गए हैं। अनेक राज्यों में टेलीविजन के माध्यम से विधान मंडलों को जनता से जोड़ने के सार्थक प्रयास किए गए हैं। इसी क्रम में केरल विधानसभा द्वारा 'सभा टीवी' की शुरुआत एक स्वागत योग्य पहल है।

- 'सभा टीवी' पर दिखाए जाने वाले कार्यक्रमों में केरल विधान सभा की कार्यवाही के साथ-साथ विधान सभा द्वारा पारित विधेयकों और विभिन्न समितियों के कार्यकरण का विवरण दिया जाएगा।

- लोकतान्त्रिक व्यवस्था से सम्बद्ध सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा भी प्रसारित की जाएगी।

- मेरे विचार में सभा टीवी द्वारा कुछ अनूठे प्रयास किये जा रहे हैं। मेरी कामना है कि आपका यह प्रयास अधिक से अधिक सफल हो। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आपका प्रयास और आपकी सफलता अनेक राज्यों के लिए अनुकरण योग्य सिद्ध होगी।

- हमने अभी-अभी देश की स्वतंत्रता की 73वीं वर्षगांठ मनाई है। बीते सात दशकों में देश में लोकतंत्र की जड़ें गहरी हुई हैं। इस दौरान तकनीक और विज्ञान की सहायता से जनता और प्रशासन की दूरी को समाप्त करने के अभिनव प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रयासों से लोकतंत्र, संघवाद, एकता और अखंडता को संरक्षित और पोषित किया जा रहा है।

- सूचना क्रांति और संचार क्रांति के इस युग में जनता में विधायी संस्थाओं और प्रक्रिआओं के बारे में और अधिक जानने और समझने की आकांक्षा बढ़ी है। इस परिस्थिति में यह आवश्यक है कि उनके पास जानकारी का आधिकारिक स्रोत हो जो उन्हें संसदीय अथवा विधायी प्रक्रिआओं के बारे में शिक्षित कर सके और उन्हें और अधिक प्रभावी भागीदारी के लिए प्रेरित कर सके।

- मैं अपनी ओर से और लोकसभा के सभी माननीय सदस्यों की ओर से आपको बधाई देता हूँ और यह विश्वास व्यक्त करता हूँ कि 'सभा टीवी' एक जागरूक जनमानस बनाने के अपने प्रयास में अवश्य सफल होगा।

- मेरी शुभेच्छा है कि आपका टीवी चैनल जनता की उम्मीदों पर खरा उतरे और विधानमंडल और जनता के बीच एक सशक्त कड़ी का कार्य करे। 'सभा टीवी' के शुभारम्भ पर मैं इसकी सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूँ। जय हिन्द।